वैश्विक सद्भाव की आधारशिला है आध्यात्मिकता

नेपालगंज में ''समय की पुकार - परमात्म शक्ति से स्वर्णिम संसार' थीम का राष्ट्रीय शुभारंभ सम्पन्न

नेपालगंज। आध्यात्मिक ज्ञान ही सुख-शांति पूर्ण जीवन का सम्पूर्ण आधार है। ज्ञान ही मानव को जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करता है। कार्यक्षेत्र में आने वाली अनेक चुनौतियों एवं समस्याओं का समाधान कर आगे बढने की कला एवं क्षमता का विकास आध्यात्मिक ज्ञान से ही सम्भव है।

उक्त बातें नेपाल प्रज्ञा प्रतिष्ठान के कुलपति, तिलबिकम नेम्वांग ''वैरागी कांईला''शाखा नेपालगंज द्वारा आयोजित ''समय की पुकार - परमात्म शक्ति से स्वर्णिम संसार'' व्यक्त किया। आध्यात्मिक ज्ञान ही वैश्विक सद्भाव एवं अनुशासन की आधारशिला है। जिसकी शुरूआत हमें खुद से करनी होगी संस्था के अन्तर्राष्ट्रीय थीम को आज के सन्दर्भ में अति प्रासंगिक बताते हुए उन्होंने संस्था द्वारा विश्व शान्ति एवं अनेक क्षेत्र में किए जा रहे अद्वितीय कार्यो की भूरी-भूरी प्रशंसा की। माउण्ट आबू के ब्र.कु. मोहन सिंघल ने कहा कि वर्तमान समय परिवर्तन का दौर चल रहा है। इस तमोप्रधानता से पूर्ण युग में स्वयं परमपिता परमात्मा शिव अपने साकार माध्यम प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा विश्व नव-निर्माण का कार्य कर रहे हैं। जिससे की दु:ख, अशांति एवं अनेक परेशानियों से त्रस्त मानव जगत को मुक्ति दे सकें।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. उषा दीदी, माउण्ट आबू ने परमात्म शक्ति को सर्वोच्च शक्ति बताते हुए उनके साथ मानसिक सम्बन्ध जोडकर खुद को दिव्य गुणों एवं शक्तियों से भरपूर करने की जरूरत पर बल दिया। अनेक विपरीत परिस्थितियों, समस्याओं को समाधान आध्यात्मिक शक्ति में ही निहित बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय सृष्टि चक्र की सबसे अनमोल घडी है जबकि स्वयं सर्वशक्तिवान परमात्मा हमें दिव्य शक्तियों से भरपूर करने आया हुआ है। राजयोगिनी ब्र.कु. सुरेन्द्र दीदी ने समय की महत्ता पर बल देते हुए उपस्थित जन-समूह को परमात्म कार्य में सहयोगी बनने से हमारा जीवन भी अनेक जन्मों के लिए सुखमय बनजता है। ब्र.कु. परिणीता , पोखरा ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में कहा कि समय के अनुरूप हमें खुद को भी परिवर्तन करने की जरूरत है। हम सभी वर्तमान समय की पुकार को समझतें हुए परमात्म शक्ति से स्वयं को

शेंष पेज 10 पर...

जीवन में शांति एवं खुशी की नींव है आध्यात्मिक ऊर्जा

ज्ञानसरोवर। फिल्म एवं टी.वी. सीरियल अभिनेत्री रीमा लागू ने 'राजयोग द्वारा आंतरिक शांति एवं खुशी की प्राप्ति' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन में सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि शहरों में प्रकृति से दूर सीमेंट की दीवारों के बीच हमारा जीवन सीमित विचारों में सिमट जाता है लेकिन यहाँ ऐसे आध्यात्मिक ऊर्जा व प्राकृतिक सम्पदा से सम्पन्न परिसर में आकर बहुत विशालता व उच्चता का अनुभव हो रहा है। यहाँ के राजयोगी भाई-बहन जिस सरलता, सहजता व प्रेम से आपस में व्यवहार कर रहे हैं उन्हें देखकर मैं अचंभित व अंतर्मुखी हो गई हूँ। मैं यहाँ इनसे कुछ सीखने व हासिल करने आई हूँ। यहाँ का ज्ञान मुझे शक्ति व प्रेरणा देगा ऐसा मुझे विश्वास है। ऐसे महान कार्य में कभी भी मेरी किसी भी प्रकार की सेवा की जरूरत हो तो मैं उसे अपना सौभाग्य समझूँगी।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रत्नमोहिनी ने कहा कि सृष्टि चक्र में सतयुग ऐसा समय था जब भारत में हर आत्मा सुख-शांति-पवित्रता के साथ धन-सम्पदा से भी सम्पन्न थी। वर्तमान समय परमात्मा स्वयं आकर आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा पुन: ऐसी पावन दुनिया स्थापन करने का कल्याणकारी कार्य कर रहे हैं ।सतयुग में हर आत्मा सतोप्रधान व शुभभावनाओं से सम्पन्न थी। इस दुख की दुनिया को सुख की दुनिया में बदलने के लिए यह संस्था प्रयासरत है। हम सभी आत्मा देह रूपी वस्त्र को धारण कर पार्ट बजा रही हैं। हम सभी आत्माएं परमात्मा की संतान है अत: हमें उनकी श्रीमत पर चल अपना भाग्य प्राप्त करना है।

बिजनेस विंग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. योगिनी ने कहा कि खुशी ऐसी चीज है जिसे हम बाह्य साधनों द्वारा स्थायी रूप से प्राप्त नहीं कर सकते। आंतरिक खुशी का अनुभव करने के लिए साधन की बजाय साधना अधिक सहायक सिद्ध होती है। खुशी वास्तव में आत्मा का स्वाभाविक गुण है। जो खुशी हमें अंतर की यात्रा से प्राप्त हो सकती है उसके लिए हम बाहर सम्बन्धों व साधनों में ढूँढने की कोशिश कर रहे हैं। खुशी जैसा कोई खजाना व खुराक नहीं है। जीवन में खुशी का महत्व इतना अधिक है कि उसके बगैर जीवन ऐसा ही है जैसे मनुष्य जीवित तो है लेकिन कोमा में है। आध्यात्मिक ज्ञान हमें यह अनुभूति कराता है कि आत्मा की वास्तविक सम्पत्ति ही पवित्रता, सुख, आनंद व शांति है। शांति व खुशी का अनुभव हम स्वयं भी करें और अन्य आत्माओं को भी कराएं। मुम्बई से आई भावना सोमैया, पत्रकार, लेखिका एवं फिल्म क्रिटिक ने कहा कि सब कुछ दुकान में पैसे से मिलता है लेकिन एक ही चीज नहीं मिलती वह है खुशी। कभी भी मन अशांत होता है या कुछ समस्या होती है तो मैं ब्रह्माकुमारी सेंटर चली जाती हूँ तो

- शेंष पेज 11 पर...

ज्ञानसरोवर। दीप प्रज्जवलन कर पाँच दिवसीय 'राजयोग द्वारा आंतरिक शांति एवं खुशी की प्राप्ति' सेमिनार का उद्घाटन करते हुए सिनीयर राजयोग शिक्षिका ब्र.कु.गीता,फिल्म एवं टी.वी. सीरियल अभिनेत्री रीमा लागू, राजयोगिनी ब्र.कु.योगिनी, दादी रत्नमोहिनी,ब्र.कु. मोहन,तथा अन्य।

जीवन में खुशी के लिए मूल्यों की धारणा आवश्यक -डॉ. वालिया

नई दिल्ली । दिल्ली के शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्री डॉ. किरण वालिया ने कहा कि जीवन में खशी के लिए मानवीय मूल्यों की धारणा आवश्यक है एवं उसका आधार आध्यातिमक ज्ञान एवं परमात्मा की तरफ ध्यान ही है।

उन्होंने उक्त उद्गार यहाँ लोधी रोड स्थित श्री सत्य सांई इंटरनेशनल सभागार में ब्रह्माकुमारीज के लोधी रोड सेवा केन्द्र के वार्षिकोत्सव एवं साईंटिस्ट एवं इंजीनियर्स विंग के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में, इंजीनियर्स इंडिया लि. एवं गेल इंडिया लि. के सहयोग से आयोजित ''खुशी हर पल'' विषयक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किये।

लोधी रोड (नई दिल्ली)। ''खुशी हर पल'' विषयक कार्यक्रम में दीप प्रज्जवलन के बाद डॉ. किरण वालिया, दिल्ली की शिक्षा एवं समाज कल्याण मंत्री, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. मोहन सिंघल, ब्र.कु. पुष्पा , ब्र.कु. गिरिजा, ब्र.कु. पीयूष एम्स के निदेशक डॉ. डेका एवं केन्द्रीय वित्त मंत्रालय के सचिव हलीम खाँ।

डॉ. किरण वालिया ने कहा स्वस्थ रहने से ही जीवन में खुशी आ सकती है और स्वस्थ शब्द का अर्थ ही है स्व अर्थात आत्म स्थिति में स्थित होना। यदि सभी इसमें स्थित हो जायें तो अस्पताल में जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए ब्रह्माकुमारीज के मुख्य प्रवक्ता भ्राता बृजमोहन जी ने कहा कि दु:ख का कारण देह अभियान एवं भौतिक इच्छायें हैं। उन्होंने अपने वक्तव्य में आगे कहा कि जीवन में शांति और खुशी की प्राप्ति के लिए आत्मिक चिंतन एवं परमात्म स्मृति में रहने की जरूरत है।

साइंटिस्ट एवं इंजीनियर्स विंग, आबू पर्वत के राष्ट्रीय संयोजक भ्राता मोहन सिंघल ने अपने प्रवचन में कहा कि अर्न्तमुखता ही सदा सुख-शांति का आधार है एवं सुख-शांति ही आत्मा का मूल गुण है।

शेंष पेज 10 पर...

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 170 रुपये
तीन वर्ष 510 रुपये
आजीवन 4000 रुपये
विदेश – 2000 *रूपये (वार्षिक)*
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

ओम शान्ति मीडिया
सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry For Membership, Mob. No. - 09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।